

अभ्यास 3 कुक्कुट उपकरणों / यंत्रों की सफाई और रोगाणुनाशन

संरचना

- 3.1 प्रस्तावना
 - उद्देश्य
- 3.2 परीक्षण
 - 3.2.1 सिद्धान्त
 - 3.2.2 सामग्री आवश्यकताएं
 - 3.2.3 कार्यविधि
 - 3.2.4 प्रेक्षण
 - 3.2.5 परिणाम
- 3.3 सावधानियां

3.1 प्रस्तावना

कुक्कुट आवासों की सफाई और रोगाणुनाशन के साथ ही विभिन्न कुक्कुट उपकरणों / यंत्रों की सफाई और रोगाणुनाशन भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये उपकरण सूक्ष्मजीवों से संदूषित हो जाते हैं जिनमें रोग पैदा करने वाले सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं और उपयोग करने पर ये सूक्ष्मजीव स्वस्थ पक्षियों में संचरित हो सकते हैं। अतः नियमित प्रचालन के तौर पर उपकरणों की सफाई और रोगाणुनाशन अत्यधिक आवश्यक है।

उद्देश्य

इस परीक्षण को करने के बाद आप :

- कुक्कुट उपकरणों / यंत्रों की सफाई और रोगाणुनाशन को प्रदर्शित कर पाएंगे; और
- कुक्कुट फार्म में कुक्कुट उपकरणों / यंत्रों की सफाई और रोगाणुनाशन के कार्यक्रम की व्यवस्था कर पाएंगे।

3.2 परीक्षण

3.2.1 सिद्धान्त

सफाई और रोगाणुनाशन कुक्कुट फार्म में जैव सुरक्षा उपायों के रखरखाव के लिए बेहद अनिवार्य चरण है क्योंकि अस्वच्छ उपकरण सूक्ष्मजीवों के वाहक हो सकते हैं। सभी फार्म उपकरण / यंत्र, टीकाकरण के उपकरणों सहित साफ और रोगमुक्त होने चाहिए, अन्यथा रोग के फैलने की पूरी संभावना रहती है और पक्षियों के झुंड की हानि के साथ ही अंततः फार्म नष्ट हो सकता है।

3.2.2 सामग्री आवश्यकताएं

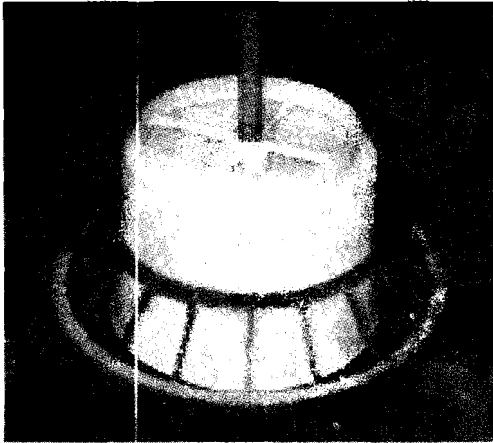
- पानी की टंकी
- सुईयों, टीका लगाने के यंत्र (वैक्सीनेटर) आदि के रोगाणुनाशन के लिए ऑटोक्लेव।

- फार्म में उपयोग किए जाने वाले ब्रूडर्स, पानी के पात्र, अंडे रखने के पात्र/ट्रे, चारे के पात्र और अन्य उपकरण।
- कॉस्टिक सोडा, क्लोरीन, अपमार्जक विलयन, हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl), आयोडीन आदि।

3.2.3 कार्यविधि

कुक्कुट उपकरणों के रोगाणुनाशन और स्वच्छता के लिए निम्नलिखित चरणों को अपनाना चाहिए :

- 1) खाने और पीने के पात्रों (चित्र 3.1 और 3.2) की बहते जल में प्राथमिक रूप से दाब से धुलाई करें।
- 2) खाने और पीने के पात्रों को हल्के हाइड्रोक्लोरिक अम्ल (HCl) से कुछ मिनट तक उपचारित करें, फिर इन्हें सादे पानी से धोकर एक दो दिन तक धूप में सुखाएं।
- 3) खाने के पात्रों (फीडर) के ग्रिल्स को 12 घंटे तक कॉस्टिक सोडा में डुबोएं।



चित्र 3.1 : लटकने वाला फीडर



चित्र 3.2 : जल का पात्र

- 4) इलैक्ट्रिक ब्रूडर्स को उपयोग से पहले और बाद में गीले कपड़े से साफ करें। यदि यह कैनोपी ब्रूडर हों, तो इसे धोया जा सकता है। इन्फ्रारेड बल्ब ब्रूडर्स को पहले गीले और फिर सूखे कपड़े से पोंछा जा सकता है।



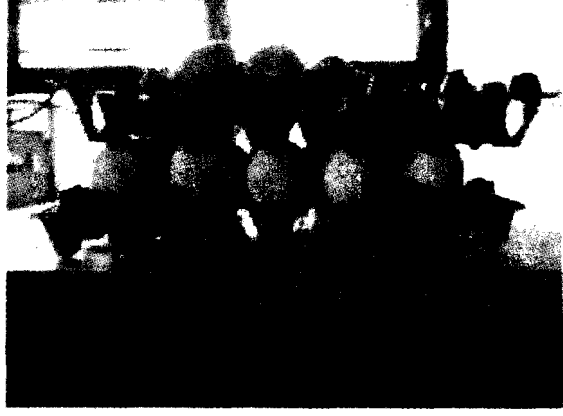
चित्र 3.3 : इलैक्ट्रिक/बैटरी ब्रूडर



चित्र 3.4 : कैनोपी ब्रूडर

- 5) छत पर रखी पानी की टंकीयों को क्लोरीन से रोगाणुनाशित करें (अभ्यास 7 देखें)।
- 6) पेयजल की पाइपलाइन में सूक्ष्मजीवी संदूषण हो सकता है जो निरंतर जल को संदूषित कर सकता है। पाइपलाइन को क्लोरीन या आयोडीन से, निक्षालित करें। सामान्यतः जल को 3 से 5 घंटे के लिए पाइपलाइन में रोका जाता है और फिर बहाया जाता है।

- 7) बेल ड्रिंकर्स (पीने के पात्रों) को ब्रुश और अपमार्जक विलयन से साफ करके फिर साफ पानी से धोकर धूप में सुखाना चाहिए।
- 8) स्वचालित फीडर्स (लटकने वाले) (चित्र 3.1) को भी बहते जल में धोकर धूप में सुखाएं।
- 9) प्लास्टिक के अंडे रखने के पात्र/ट्रे (चित्र 3.5) को अच्छी तरह जल और अपमार्जक से धोकर दाब के अंतर्गत बहते जल में धोकर धूप में सुखाएं।



चित्र 3.5 : प्लास्टिक के अंडे रखने के पात्र



चित्र 3.6 : धूम्रन कक्ष

- 10) पेयजल को नियमित रूप से रोगाणुनाशित करें (अभ्यास 7 देखें)।
- 11) वैक्सिनेटर्स, सुईयों आदि को अच्छी तरह साफ जल से धोएं।
- 12) तुला और चोंच अलग करने के यंत्रों (डीबीकर्स) को प्रत्येक बार उपयोग करने से पहले और उसके बाद गीले कपड़े से साफ करना चाहिए।
- 13) धातु और प्लास्टिक के उपकरण, टीका लगाने और कृत्रिम गर्भाधान कराने वाली सूचियों के अतिरिक्त सभी को धूम्रन कक्ष में धूम्रित किया जा सकता है (चित्र 3.6) इसके लिए 3 से 5X की धूम्रन प्रबलता का उपयोग किया जा सकता है (अभ्यास 2 और 4 देखिए)।

3.2.4 प्रेक्षण

- i) आपके द्वारा साफ किए गए उपकरणों के नाम और संख्या।
.....
- ii) उपकरणों को रोगाणुनाशित करने में उपयोग किए गए रसायनों के नाम और मात्रा।
.....

3.2.5 परिणाम

फार्म में आपके द्वारा हस्ताचरित किए गए उपकरणों की सफाई की स्थिति के बारे में अपनी राय दीजिए।
.....
.....

3.3 सावधानियां

- विभिन्न रोगाणुनाशियों की उचित सान्द्रता और जल रोगाणुनाशी की उचित मात्रा का उपयोग करें।
- कुक्कुट उपकरणों की एक पक्षी से दूसरे तक गति से जहां तक संभव हो बचें। यदि किसी अपरिहार्य कारण से इसकी आवश्यकता हो तो उपयोग से पहले उसे साफ और रोगाणुनाशित कर लें।
- रसायनों का प्रचालन करने वाले व्यक्ति को किसी हानि से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें क्योंकि ये रसायन प्रचालक की आंखों के लिए हानिकारक होते हैं।